



सौदागिनी

अक्टूबर - दिसम्बर, 2018

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

खण्ड-1 अंक-19

‘राष्ट्रीय एकता दिवस’ के उपलक्ष्य में प्रतिज्ञा वाचन का आयोजन

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस का “राष्ट्रीय एकता दिवस” के रूप में अनुपालन के लिए दिनांक 31.10.2018 को राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों सहित समस्त स्टाफ ने सामूहिक रूप से “राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ”

ग्रहण की। शपथ ग्रहण करने के पश्चात लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और उनके राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने के महत्वपूर्ण कार्यों को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों ने राष्ट्रीय एकता के लिए किए गए उनके अमूल्य योगदान पर चर्चा की और उनकी प्रासंगिकता को निर्विवाद रूप से स्वीकार किया।



प्रतिज्ञा वाचन करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण

विद्युत मंत्रालय द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन संबंधित निरीक्षण

केविआ में राजभाषा कार्यान्वयन संबंधित निरीक्षण दिनांक 27 दिसंबर, 2018 को विद्युत मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (राजभाषा) श्री अमित प्रकाश द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान राजभाषा प्रगति से संबंधित रिकार्ड उपलब्ध करवाए गए एवं तिमाही/वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। निरीक्षण के पश्चात्

निरीक्षणकर्ता अधिकारी ने राजभाषा प्रगति के प्रति संतोष व्यक्त किया और कुछ बिंदुओं पर बहुमूल्य सुझाव भी दिए। राजभाषा से संबद्ध अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि निकट भविष्य में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।



विद्युत मंत्रालय के संयुक्त निदेशक-राजभाषा, श्री अमित प्रकाश द्वारा निरीक्षण के दौरान विचार-विमर्श

ऊर्जा संरक्षण की शक्ति आपके हाथ में है

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक – 28 दिसंबर 2018

दिसंबर, 2017 को समाप्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति तिमाही बैठक दिनांक 28.12.2018 को सुश्री गीतू जोशी, प्रमुख (अर्थशास्त्र) की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने अलग-अलग प्रभागों के प्रभारी से हिन्दी प्रगति की जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान इस बात पर बल दिया गया

कि समस्त कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करते हुए हिन्दी की सरलता, लोकप्रियता व व्यावहारिकता को केन्द्र में रखा जाए। इसके अलावा राजभाषा से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाओं पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस बैठक में समिति के समस्त सदस्यों ने सहभागिता की।



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान विचार विमर्श

श्री ए. के. सिंघल, सदस्य का कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें भावभीनी विदाई

श्री ए. के. सिंघल ने केविविआ में सदस्य के पद पर दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 को कार्यभार ग्रहण किया और दिनांक 08.10.2018 को अपना कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें समस्त स्तर के स्टाफ सदस्यों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर आयोग के सदस्य एवं सचिव और सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने श्री ए. के. सिंघल की उत्कृष्ट कार्यशैली और बेहतर कार्यनिष्पादन की प्रशंसा की। आयोग के सभी सदस्यों ने उनके सुखद भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर समस्त प्रभागों के प्रमुखों एवं विभिन्न स्तर के स्टाफ सदस्यों ने उनके साथ कार्य के दौरान बिताए अविस्मरणीय क्षणों को साझा किया।

अंत में श्री ए. के. सिंघल ने अपने कार्यकाल के दौरान सदस्यगण व सचिव महोदय तथा वरिष्ठ अधिकारियों सहित समस्त स्टाफ के प्रति अपने हार्दिक उद्गार व्यक्त किए। इसके साथ सचिव महोदय ने समस्त सदस्यों को उनके सहयोग व आत्मीय व्यवहार के लिए धन्यवाद दिया। तदनंतर उन्होंने आयोग में सभी स्तर के स्टाफ द्वारा प्राप्त सम्मान, सहयोग व स्नेह का उल्लेख करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विदाई समारोह में श्री ए. के. सिंघल को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस विदाई समारोह का संचालन डॉ. एस.के. चटर्जी, संयुक्त प्रमुख (वि.मा.) द्वारा किया गया।

श्री ए. के. सिंघल, सदस्य को भावभीनी विदाई : कुछ झलकियां





सौदाभिनी

अक्टूबर - दिसम्बर, 2018

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

खण्ड-1 अंक-19



श्री सुकांत गुप्ता, उप प्रमुख (इंजी.) का कार्यकाल पूरा होने पर उन्हें भावभीनी विदाई

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में श्री सुकांत गुप्ता, उप प्रमुख (इंजी.) को दिनांक 31.12.2018 को सेवानिवृत्ति के अवसर पर भावभीनी विदाई दी गई। विदाई समारोह में सभी वरिष्ठ अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया। सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने उनकी कार्यशैली और व्यवहार की प्रशंसा की। इसके पश्चात् श्री सुकांत गुप्ता ने अपने कार्यकाल के दौरान अनुभव साझा किए। इस दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह एवं हिंदी पुस्तकें भी भेंट की गईं।

विदाई समारोह में सभी स्तर के स्टाफ सदस्यों ने उनके कार्य की सराहना करते हुए उनके सौम्य एवं विनम्र व्यक्तित्व की सराहना की। श्री सुकांत गुप्ता, उप प्रमुख (इंजी.) को उनके महत्वपूर्ण योगदान व उनके सफल एवं स्वस्थ जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान की गईं। विदाई समारोह का सफल संचालन डॉ राजेन्द्र प्रताप सहगल, राजभाषा अधिकारी द्वारा किया गया।



श्री सुकांत गुप्ता, उप प्रमुख (इंजी.) को भावभीनी विदाई : कुछ झलकियां

ऊर्जा संरक्षण की शक्ति आपके हाथ में है



सौदागिनी

अक्टूबर – दिसम्बर, 2018

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग

खण्ड-1 अंक-19

ऊर्जा संकट

पुरस्कृत

प्रस्तावना :- विकसित सभ्यता के चलते ऊर्जा के संसाधनों पर चर्चा—एक महत्वपूर्ण चर्चा बनती जा रही है। सीमित परंपरागत ऊर्जा के संसाधनों के चलते यह आवश्यक हो गया है कि इस चुनौती के समाधान हेतु गैर परंपरागत ऊर्जा के संसाधनों के बारे में भी खोज की जाए।

चुनौतियां :- परंपरागत ऊर्जा के क्षेत्र में कोयले से ऊर्जा उत्पादन करना मुख्य रूप से आता है। जैसा कि हम जाते हैं कि कोयला एक प्राकृतिक संपदा है तथा जो कि एक सीमित मात्रा में है। भारत में कोयला, लकड़ी आदि संसाधनों का भंडार मात्र अगले 40–50 वर्षों के लिए बचा है। इसके चलते यह आवश्यक है कि गैर परंपरागत ऊर्जा के संसाधनों की समस्या से निदान, पेट्रोल की कमी व बढ़ते दाम हमें मजबूर करते हैं कि गैर परंपरागत ऊर्जा के साधनों को अपनाया जाए। देश की लगभग 70% आबादी गांवों में रहती है। इसलिए सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा इत्यादि जैसे अन्य विकल्पों को हम इस चुनौती के समाधान हेतु चुन सकते हैं।

बढ़ती जनसंख्या के चलते, विकास की गति को बनाए रखने के लिए हमारी बिजली पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। परमाणु बिजली का उत्पादन एक महंगा उत्पादन है। पेट्रोल का उत्पादन हमारे देश में सीमित मात्रा में होता है अन्यथा पेट्रोल/डीजल आयात करना पड़ता है। जो कि हमारी आर्थिक क्षमताओं पर भी असर डालता है। इसलिए ऊर्जा के क्षेत्र में आने वाले चुनौतियों के हल के लिए वैकल्पिक ऊर्जा संसाधनों पर विचार करना होगा।

समाधान :- ऊर्जा संकट के समाधान हेतु हमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा को

अपनाना होगा जिसमें मुख्य रूप से सौर ऊर्जा का प्रयोग प्राथमिकता के रूप में ले सकते हैं।

सौर ऊर्जा :- सौर ऊर्जा का अर्थ सूर्य के प्रकाश किरणों को एकत्रित करके एक बिन्दु पर लाना होता है। इसके प्रयोग से घरों में खाना बनाने, घरेलू बैटरियों के चार्ज हेतु बिजली के विकल्प के रूप में लिया जा सकता है। यह एक कम लागत का संसाधन भी माना जा सकता है। हालांकि इसकी कुछ सीमित क्षमताओं के चलते प्रयोग कम हो रहा है। लेकिन सरकार द्वारा भी लोगों को सस्ता लोन देकर इसके प्रयोग हेतु उत्साहित किया जाता है।

पवन ऊर्जा :- वह क्षेत्र जो कि समुद्र के पास होते हैं। वहां बड़े-बड़े पंखे लगाकर ऊर्जा का उत्पादन करने को पवन ऊर्जा कहा जाता है।

ऊर्जा के इन विकल्पों के इस्तेमाल से यह अनेक लाभ हैं जैसे कम लागत व कम खर्च में अधिक ऊर्जा उत्पादन, इन साधनों से कार्बन डाईआक्साइड पैदा नहीं होती एवं प्रयोग साधारण रूप से किया जा सकता है। इसलिए यह हमारी प्रदूषण समस्याओं के निदान में भी सहायक सिद्ध होते हैं।

सारांश :- उपरोक्त चर्चा के पश्चात यह तय है कि सीमित परंपरागत ऊर्जा के संसाधनों के चलते, ऊर्जा संकट के समाधान हेतु वैकल्पिक गैर परंपरागत ऊर्जा के साधनों को प्रयोग में लाने हेतु आवश्यक कदम उठाने होंगे। अन्यथा हमारे विकास की ओर बढ़ते कदमों पर विराम लग सकता है।

(जसवंत सिंह)

वेतन एवं लेखाधिकारी (लेखा)

संरक्षक
इंदु शेखर झा
सदस्य

www.cercind.gov.in

संपादक मंडल
सनोज कुमार झा, सचिव
सचिन कुमार, सहायक सचिव (का.एवं.प्र.)
राजेन्द्र सहगल, राजभाषा अधिकारी

कृपया इस पते पर अपनी प्रतिक्रिया भेजें :
केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग
भूतल, चन्द्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ,
नई दिल्ली-110001
Email : info@cercind.gov.in

ऊर्जा संरक्षण की शक्ति आपके हाथ में है